C&C
"Contraction and Convergence

[HINDI TEXT]

"कन्ट्रैक्शन और कन्वर्जैन्स" (C&C)
"Contraction and Convergence" (C&C)

1. *"कन्ट्रैक्शन और कन्वर्जैन्स" ("Contraction and Convergence" (C&C)) विज्ञान पर आधारित दुनिया भर में मौसम से सम्बन्धित नीति है जो संयुक्त राष्ट्र को **1990** से ग्लोबल कामन्स इन्सटीट्यूट (GCI) द्वारा प्रस्तावित की गई है।* [i ii iii iv]

2. वातावरण में सुरक्षित और स्थिर ग्रीनहाऊस गैस के जमावड़े के लक्ष्य और सावधानी और सुनीति के सिद्धान्त जो पहले ही *"युनाईटेड नेशन्स फ़रेमवर्क कन्वैन्शन आव क्लाईमेट चेंज"* (UNFCCC) "*United Nations Framework Convention of Climate Change*" (UNFCCC) में सहमत की गईं हैं, जो औपचारिक रूप से C&C के काम करने के ढांचे को ऑकने के आधर को प्रदान करता है जो निम्नलिखित प्रदान करता है : -

   - दुनिया भर में निकासियों के लिए पूरे समय का ऐठा हुआ बजट जो ग्रीनहाऊस की गैसों (GHGs) के वातावरण में एकाग्रता को स्थिर बनाए जो पहले ही से सहमत अधिकतम एकाग्रता को बनाना जो सुरक्षित माना जाए, IPCC WG1 कार्बन साईकल की मौडलिंग के बाद। [GCI को तब अधिक माना जाता है जब यह 450 ppmv से अधिक हो जो कार्बनडाईओक्साईड के 'सुरक्षित नहीं है' के बराबर है]।
   - इस बजट को 'ऐन्टाईटलमेन्ट्स' के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विभाजन करना हर व्यक्ति के बराबरी के शेयरों के रेखाबद्ध केन्द्र अभिमुखता के विनिमेय दर का एक परिणाम स्वरूप है जिसे पूरे समय के कन्ट्रैक्शन/कन्सैन्ट्रेशन की सहमति सहमत की गई तिथि पर पूरे समय की समय सरणी के अधीन दिया हो। [GCI यह सुझाव देता है कि [1] वर्ष 2030 या 2040, या लगभग रास्ते का तिहाई जो 100 वर्ष में हो, उदाहरण के रूप में, केन्द्र अभिमुख को पूरा करने के लिए [अंक 5 और तस्वीरें 1 और 2 को नीचे देखें] और [2] C&C की समय-सारणी में जनसंख्या के वर्ष के आधार को माना जाए]।
   - इसके लिए UNFCCC की बातचीत को सैद्धान्तिक रूप में दुनिया के क्षेत्रों के बीच होना चाहिए, जिसमें बातचीत को देशों के मध्य उनके क्षेत्रों में छोड़ देना चाहिए, जैसे कि योरोपियन यूनियन, अफ़रीका युनियन, यू.ऐस. आदि।
   - इन ऐन्टाईटलमैन्ट्स की सम्बन्धित मुद्रा में अन्तर-क्षेत्रीय, अन्तर-राष्ट्रीय और आन्तरिक राष्ट्रीय व्यापारिक योग्यता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जैसे कि अन्तर्राष्ट्रीय ऊर्जा से सहायता की मुद्रा की इकाईयॉ (इन्टरनैशनल ऐनर्जी बैक्ड करन्सी युनिट्स - International Energy Backed Currency Units [EBCUs]) को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
   - निकासी से मुक्त अर्थव्यवस्था और जमावड़े के विकास के बीच सम्बन्ध को वैज्ञानिक तरीके से समझना, इसलिए C&C की दरों को समय-समय पर पुनिर्वचार किया जाता है।

3. वर्तमान में, भौगौलिक समुदाय ख़तरनाक मौसम के बदलाव को तेज़ी से पैदा कर रहा है विपरीत इसके कि वह उसे रोकने के लिए संगठित हो। अन्तर्राष्ट्रीय दूत के लिए इसे उल्टा करने की चुनौती है। इसको सम्भव करना C&C की भूमिका है। यह मौसम की सुरक्षित स्थितियों को ऑकने की योग्यता कराता है और जो बातचीत द्वारा बॉटा जा सके ताकि नीतियॉ और मापों को उन दरों के आधार से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संगठित किया जा सके जिससे दुनिया में मौसम के ख़तरनाक बदलाव को रोका जा सके।

4. GHG की निकासी को अभी तक आर्थिक प्रदर्शन के साथ समीप से सम्बन्ध कराया गया है। आज तक, G यह आर्थिक अवस्थाओं और निकासी का विकास अधिकतर औद्योगिक देशों में हुआ है, जिससे हाल ही में एक भौगोलिक नमूना तैयार किया जाना जो अधिक तौर पर ग़ैर आर्थिक अवस्था के बढ़ावे के फैलाव और भिन्नता [E&D], पर्यावरण असंतुलन और अन्तर्राष्ट्रीय असुरक्षा।

5. C&C का इसके प्रति उत्तर है पूरे समय और संविधानिक है बजाए कि कम समय के लिए और बेतरतीब के। बढ़ रहे जमावड़ों के लिए यह 'ऐतिहासिक जिम्मेवारियों' स्थिर बहस का हल करता है जिसे नए औद्योगिक देशों के लिए यह एक विकास के अवसर को कीमत के रूप में पहचानता है। C&C इन व्यापार योग्य और इसलिए भविष्य के लिए कीमती अधिकारों की पहले से निर्धारित अन्तर्राष्ट्रीय वितरण के लिए योग्य करता है जिससे GHGs की गैसों का निकास हो सके जो केन्द्र अभिमुख की दर के परिणाम स्वरूप हो जिसे सहमत की गई दुनिया भर की सिकुड़न के साथ सम्बन्ध में जान बूझ कर बढ़ावा दिया गया हो [तस्वीर 2 देखें]।

Global Commons Institute [GCI], 57 Howard Road, London E17 4SH, UK. 00 44 (0)208 520 4742
www.gci.org.uk - aubrey.meyer@btinternet.com

6. यू के का रॉयल कमिशन ऑन ऐनवायरनमेन्टल पौल्यूशन और जर्मन ऐड्वाईज़री काऊन्सल ऑन ग्लोबल चेंज[vii] (The UK's Royal Commission on Environmental Pollution[vi] and the German Advisory Council on Global Change[vii]) दोनों C & C के औपचारिक रूप से मौसम के परिवर्तन में अपनी सिफ़ारिशें सरकार को देते हैं। कई लोग और संस्था के ब्यान जो C&C को समर्थन देते हैं उनको रिकार्ड पर रखा गया है।[viii ix] अफ़्रीकी ग्रुप आव नेशन्स (The Africa Group of Nations) ने इन्हें औपचारिक तौर पर UNFCC को इसका प्रस्ताव रखा 1997 में रखा था।[x] सैद्धान्तिक रूप में इसे COP-3 Kyoto 1997 में सहमत किया गया था।[xi] C&C युनाईटेड स्टेट्स सैनैट की उस वर्ष की बाईर्ड हेगल रैज़ोल्यूशन (Byrd Hagel Resolution) की ज़रूरतों को मानता है[xii] और योरोपियन पारलिमेन्ट ने C&C के समर्थन में 1998 में एक प्रस्ताव को पास किया था।[xiii]

7. C&C का यह संकलन दुनिया भर के मौसम के परिवर्तन में बढ़ रहे ख़तरनाक असंतुलन में सुधार कर सकता है। दुनिया भर के अधिकारों, स्रोतों के संरक्षण और देर तक चलने वाली प्रणाली पर बनी यह C&C की एक प्रणाली अर्थव्यवस्था का मार्गदर्शन करने के लिए अब आवश्यक है जिससे सभी को सुरक्षित और समान भविष्य प्राप्त हो। यह युनाईटेड नेशन्स कन्वैंशन (UN Convention) के लाभों और शर्तों पर निर्मित है और ऐसी पहुँच को स्थापित करता है कि जो काफ़ी बाध्य है जिससे आवश्यक अन्तर्राष्ट्रीय समर्थन और कार्यवाही को क्योटो प्रोटोकोल (Kyoto Protocol) का बल में दाख़िल हुए या इस के बिना इस को उभार सके।

i http://www.gci.org.uk
ii http://www.gci.org.uk/model/dl.html
iii http://www.gci.org.uk/images/CC_Demo(pc).exe
iv http://www.gci.org.uk/images/C&C_Bubbles.pdf
v http://www.feasta.org
vi http://www.rcep.org.uk/pdf/chp4.pdf
vii http://www.wbgu.de/wbgu_sn2003_engl.pdf
viii http://www.gci.org.uk/Archive/1989_2004
ix http://www.gci.org.uk/consolidation/Sasakawa.pdf
x http://www.gci.org.uk/papers/zew.pdf [appendix C, page 16]
xi http://www.gci.org.uk/temp/COP3_Transcript.pdf
xii http://www.gci.org.uk/briefings/C&C&ByrdHagel.pdf
xiii http://www.gci.org.uk/consolidation/UNFCC&C_A_Brief_History_to1998.pdf [pp 27 - 32]